Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 17-05-2006

Participants : Rawat Shri Bachi Singh

an>

Title : Need to increase the honorarium being given to Indian soldiers who worked for Allied Forces during Second World War.

श्री बची सिंह रावत 'बचदा' (अल्मोड़ा) : महोदय, देश की आजादी से पूर्व भारतीय सेना में भर्ती होने वाले सैनिकों को युद्ध में वीरता का प्रदर्शन करने पर अनेक प्रकार के सम्मान प्रदान किये जाते थे और वर्तमान में भी जवानों को अनेक सम्मान व सहायता राशि प्रदान की जाती है।

द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र सेनाओं की ओर से बहादुरी का कार्य करने वाले सैनिकों को तब जंगी इनाम के नाम से 10 रूपये प्रतिमाह का सम्मान/सहायता राशि स्वीकृति की गयी थी। तब से यह राशि वर्तमान में बढ़ाकर 100 रूपये प्रतिमाह की गयी है। जो कि उन बहादुर सैनिकों के जी वन यापन हेतु अत्यंत कम है। तत्कालीन दस रूपये वेतन प्राप्त करने वाला कर्मचारी ही आज कम से कम दस हजार रूपये वेतन प्राप्त कर रहा है। जंगी इनाम पाने वाले इन वीर सैनिकों को पेंशन की सुविधा भी प्राप्त नहीं है। जंगी इनाम पाने वाले इन वीर सैनिकों की संख्या अत्यंत कम है तथा वर्तमान में बहुत कम जीवित बचे हैं। इनकी मांग रही है कि इन्हें कम से कम वर्तमान दर पर पेंशन के बराबर धनराशि प्रदान की जाये ताकि ये अपनी वृद्धावस्था में स्वयं का व अपने परिवार का व्यय भार उठा सकें।

अतः मैं आपसे मांग करता हूं कि इस जंगी इनाम की धनराशि कम से कम दस रूपये प्रतिमाह से बढ़ाकर दस हजार रूपये प्र ातिमाह प्रदान की जाये।